वेतन वार्तालाप- दिनांक 24.12.2009 को सम्पन्न बैठक

दिनांक 24.12.2009 को कर्मचारी पक्ष एवं श्री एस.आर. कपुर अध्यक्ष वेतन वार्तालाप कमेटी के बीच एक बैठक सम्पन्न हुआ है।

कर्मचारी पक्ष ने प्रबंधन पक्ष को कहा कि वेतन पुनः रीक्षण के तुरंत बाद हजारों कर्मचारी वेतन अवरोध (स्टेगनेशन) का सामना करेगें, अनेक कर्मचारी प्रमोशन योजना लागु होने के उपरांत वेतनमान के अधिकतम सीमा तक पहूँचकर ठहराव के स्थिति में पहुचेगें। इसका एक मात्र कारण प्रबधन द्वारा प्रस्तावित वेतनमानों का समयावधि (स्पेन) अत्यधिक कम निर्धारित किया जाना है। कर्मचारी पक्ष ने उदाहरण सहित विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया है। कर्मचारी पक्ष ने इस बात के पक्ष में जोरदार तर्क प्रस्तुत किया कि वेतनमानों का समयावधि पर्याप्त रूप से विस्तारित होना चाहिए, ताकि इस तरह की समस्याओं से बचा जा सके।

प्रबंधन ने वर्दी (यूनिफार्म) वर्षाती कोटस (रेन कोट), चप्पल, जुते, सिलाई भत्ता, वर्दी धुलाई भत्ता आदि जो कर्मचारियों को वर्तमान में उपलब्ध है उसे समाप्त करने का मंशा जाहिर किया, कर्मचारी पक्ष ने इस प्रस्ताव का पुर्णतः विरोध दर्ज करते हुए रेखांकित किया कि दशकों से जारी सुविधाओं से कर्मचारियों को कतई वंचित नहीं किया जा सकता। कर्मचारी पक्ष ने यह भी प्रस्तावित किया कि सभी कर्मचारीयों / अधिकारियो को यूनिफार्म उपलब्ध कराई जानी चाहिए। प्रबंधन पक्ष ने कहा कि कर्मचारी पक्ष द्वारा उठाई गई मुददों पर विचार किया जायेगा।

क्रिसमस एवं नव वर्ष के छुट्टियों के चलते प्रबंधन पक्ष वेतनवार्त्ता कमेटी के कई अधिकारी अवकाश पर चले गये है। अतः प्रस्तावित वेतन समझौता पर चर्चा एवं विवेचना हेतु दिनांक 05.01.2010 को बैठक ओयोजित किया जाऐगा।

का.व्ही.ए.एन. नबुंदरी, का.व्ही.सुब्बुरमण एवं का.पी.अशोका बाबु ने कर्मचारी पक्ष का प्रतिनिधित्व किया है, प्रंबंधन पक्ष का प्रतिनिधित्व श्री. एस.आर.कपुर अध्यक्ष वेतन वार्ता कमेटी एवं श्री शकील अहमद (जी.एम.एस.आर) ने किया है।